सांध्य दैनिक
4PM

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।
–सम्राट अशोक

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 04 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 5 फरवरी, 2026

लगातार छठी बार विश्वकप के फाइनल... 7 | नहीं खत्म हो रहा कर्नाटक का... 3 | फर्जी वोट जुड़वा रही है भाजपा... 2

पूरे देश में पान-मसाला से जुड़े लोग काट रहे भ्रष्टाचार की मलाई !

सरकार को 250 करोड़ से ज्यादा की चपत लगाई

- डीजीजीआई मेरठ जोनल यूनिट ने पकड़ा घोटाला
- उद्योगपति, अधिकारी से लकर बड़े-बड़े रसूखदार जुड़े
- डीजीजीआई की जांच जारी, तीन हिरासत में
- उचित दस्तावेजीकरण के बिना, माल को गुपचुप तरीके भेजा गया

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में एक तरफ पान-मसालों पर टैक्स पर टैक्स बढ़ाए जा रहे हैं। वहीं पान मसाला से जुड़े लोग इसकी काट भी निकाल ले रहे हैं। अभी ऐसा ही एक मामला मेरठ में आया है जिसमें पान मसाला उद्योग से जुड़े भ्रष्टाचार का पूरा तंत्र पकड़ा गया है। जिसमें हजारों करोड़ का घोटाला भी उजागर हुआ है। इसमें बड़े-बड़े लोगों के जुड़े होने की संभावना है।

फिलहाल 5 हजार करोड़ के इस घोटाले में चार लोग गिरफ्तार किए गए हैं। और जीएसटी खुफिया निदेशालय (डीजीजीआई) इसकी जांच कर रही है। इन सबके बीच पान मसाला उद्योग में लागू किए गए नए नियमों से इस बात की भी आशंका है कि जीएसटी और जांच विभाग को मिले अधिकारों से भ्रष्टाचार की जड़ें और गहरी हो सकती हैं। दावा किया जा रहा है कि नए नियमों से जांच असली मालिक तक पहुंचेगी।

तंबाकू निर्माताओं की सुपारी की अवैध खरीद, परिवहन और आपूर्ति में मिलीभगत

डीजीजीआई मेरठ जोनल यूनिट ने 5,000 करोड़ रुपये के सुपारी जीएसटी चोरी गिरोह का भंडाफोड़ किया। 250 करोड़ रुपये का कर नुकसान पकड़ा गया। पूरे भारत में अधिकार क्षेत्र रखने वाली जीएसटी खुफिया निदेशालय (डीजीजीआई) की मेरठ जोनल यूनिट (मेजू) ने लगभग 5,000 करोड़ रुपये के सुपारी के गुप्त व्यापार से जुड़े एक बड़े, सुनियोजित जीएसटी चोरी रैकेट का पर्दाफाश किया है। जांच में एक राष्ट्रव्यापी गिरोह का पर्दाफाश हुआ है जो मुख्य रूप से पान मसाला और चबाने वाले तंबाकू निर्माताओं को सुपारी की अवैध खरीद, परिवहन और आपूर्ति में लगा हुआ था।

5,000 करोड़ रुपये के सुपारी जीएसटी चोरी गिरोह का भंडाफोड़

तीन प्रमुख आरोपियों को हिरासत में भेजा

भारत सरकार की ओर से वरिष्ठ लोक अभियोजक द्वारा प्रस्तुत दलीलों के बाद, अदालत ने तीन प्रमुख आरोपियों - शिवम द्विवेदी, दिलीप कुमार झा और संजीत कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है जांच के प्रारंभिक चरण में सरकार के पास 7 करोड़ रुपये जमा किए जा चुके हैं। डीजीजीआई ने बताया है कि जांच अभी भी महत्वपूर्ण चरण में है और अब इसका ध्यान लाभार्थियों की पहचान करने, उत्पादन स्तर पर कर चोरी की मात्रा निर्धारित करने और गिरोह के पूर्ण संलिप्तता का पता लगाने पर केंद्रित है। जांच आगे बढ़ने के साथ-साथ और अधिक बरामदगी और संपत्तियों की कुर्की की उम्मीद है।

पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों से लाकर दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में खपाई

डीजीजीआई के अनुसार, पूर्वोत्तर और दक्षिणी राज्यों से भारी मात्रा में सुपारी मंगाई गई और दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में लाई गई। वहां से, उचित दस्तावेज़ीकरण के बिना, माल को गुपचुप तरीके से निर्माताओं को आपूर्ति की गई, जिससे जीएसटी ढांचे को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया। जांचकर्ताओं ने पाया कि दिल्ली/एनसीआर में सक्रिय संस्थाओं ने एक बेहद परिष्कृत कार्यप्रणाली अपनाई थी। सुपारी की थोक व्यापार-से-व्यापार (बी2बी) आपूर्ति - जो लगभग पूरी तरह से औद्योगिक कच्चे माल के रूप में उपयोग की जाती है-को जीएसटी रिटर्न में खुदरा व्यापार-से-उपभोक्ता (बी2सी) बिक्री के रूप में गलत तरीके से दर्ज किया गया था। वास्तव में, ऐसी कोई खुदरा बिक्री हुई ही नहीं थी। शामिल फर्मों के पास कोई खुदरा आउटलेट या ग्राहक संपर्क नहीं था और वे केवल गोदामों के माध्यम से ही काम करती थीं।

माल की वास्तविक आवाजाही को छिपाने के लिए, फर्जी बी2सी चालान किए गए

माल की वास्तविक आवाजाही को छिपाने के लिए, फर्जी बी2सी चालान, जो ज्यादातर ई-वे बिल की सीमा से कम थे, माल की गुप्त रूप से निकासी के बाद स्टॉक रिकॉर्ड को समायोजित करने के लिए बनाए गए थे। इस विधि ने गिरोह को ई-वे बिल बनाने से बचने और असली खरीदारों की पहचान छिपाने में सक्षम बनाया। डीजीजीआई की जांच से पता चला कि सुपारी बिना चालान या परिवहन दस्तावेजों के सीधे प्रमुख पान मसाला निर्माण इकाइयों को पहुंचाई गई थी। इन आपूर्तियों के लिए भुगतान पूरी तरह से नकद में अंगड़ियाओं और अन्य अनौपचारिक चैनलों के माध्यम से प्राप्त किया गया था।

कच्चे सुपारी पर अनुमानित 250 करोड़ की जीएसटी चोरी का खुलासा

इससे अकेले कच्चे सुपारी पर अनुमानित 250 करोड़ की जीएसटी चोरी हुई। अधिकारियों ने बताया कि वास्तविक राजस्व हानि इससे कहीं अधिक, कई हजार करोड़ तक हो सकती है, क्योंकि अवैध रूप से आपूर्ति किए गए कच्चे माल का उपयोग पान मसाला उत्पादों के निर्माण में किया गया था, जिन पर बहुत अधिक जीएसटी दरें और क्षतिपूर्ति उपकर लागू होते हैं। दिल्ली भर में कई स्थानों पर - जिनमें व्यावसायिक परिसर, गोदाम, आवास और ट्रांसपोर्टर कार्यालय शामिल हैं तलाशी अभियान चलाने से बड़ी मात्रा में बेहिसाब सुपारी, आपत्तिजनक दस्तावेज, हस्तलिखित रजिस्टर, डिजिटल उपकरण और ट्रांसपोर्टर रिकॉर्ड जब्त किए गए। भौतिक स्टॉक सत्यापन से भारी कमी का पता चला, जिससे जीएसटी प्रणाली के बाहर माल की अवैध निकासी स्पष्ट रूप से साबित हो गई। प्रमुख व्यक्तियों, ट्रांसपोर्टरों और प्रसंस्करण इकाई संचालकों से लिए गए बयानों ने नकद-आधारित, चालान-मुक्त आपूर्ति श्रृंखला के अस्तित्व की पुष्टि की।

अब फ्रेंचाइजी की गड़बड़ी पर पान- मसाला ब्रांड के मालिक भी नपेंगे

एक फरवरी से पान मसाला उद्योग में लागू किए गए नए नियमों ने पूरे सेक्टर की कार्यप्रणाली को सख्त निगरानी के दायरे में ला दिया है। अब तक किसी तरह की अनियमितता या कर चोरी पकड़े जाने पर मुख्य रूप से फैक्टरी चलाने वाली फ्रेंचाइजी पर कार्रवाई होती थी, लेकिन नए प्रावधानों के तहत अब ब्रांड मालिक भी जिम्मेदार ठहराए जा सकेंगे। इससे उद्योग में जवाबदेही बढ़ी है और बड़ी कंपनियों से लेकर क्षेत्रीय ब्रांड तक सतर्क हो गए हैं। पान मसाला निर्माण में आमतौर पर मशीन और ब्रांड का मालिक एक ही होता है, लेकिन व्यवहार में मशीनें फ्रेंचाइजी को किराये पर देकर उत्पादन कराया जाता है। पुराने नियमों में मशीन का संचालन करने वाला ही मुख्य रूप से जिम्मेदार माना जाता था। नए बदलावों के बाद जांच एजेंसियों को यह अधिकार मिल गया है कि वे यह भी जांच कर सकें कि कहीं ब्रांड मालिक ने डमी व्यवस्था से किसी दूसरे व्यक्ति के नाम पर फ्रेंचाइजी तो नहीं चला रखी है।

फर्जी वोट जुड़वा रही है भाजपा : अखिलेश यादव

» बोले सपा प्रमुख- प्रदेश में वोट काटने के लिए भाजपा बांट रही लाखों प्रिन्टेड फॉर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर एसआईआर व वोटर की गिनती पर भाजपा व चुनाव आयोग को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा असली मतदाताओं का वोट कटवा रही है और फर्जी वोट जुड़वा रही है। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है लेकिन जब समाजवादी पार्टी भाजपा के फर्जीवाड़े की शिकायत करती है तो आयोग नजरअंदाज करता है। हो सकता है भविष्य में चुनाव आयोग की बिल्डिंग पर भाजपा का झंडा लग जाएगा।

संसद परिसर में अखिलेश यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की जिम्मेदारी ज्यादा से ज्यादा वोट बनाने की होती है, लेकिन देखा जा रहा है कि बड़े पैमाने पर वोट काटा जा रहा है। चुनाव अयोग के व्यवहार से लगता है कि वह भाजपा के लिए काम कर रहा है। कल ही हमने एसआईआर में भरे गए फॉर्म को लेकर कई सूचनाएं चुनाव आयोग को दी है।उन्होंने कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश में लोगों के वोट कटवाने के लिए लाखों प्रिन्टेड फार्म बांटे जा रहे हैं। सवाल किया कि आखिर गांवों में वोट कटवाने के लिए प्रिन्टेड फार्म 7 कहां से आ रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि अगर फर्जी दस्तखत हो रहे हैं तो 420 की धारा लगनी चाहिए। फर्जीवाड़ा करने वालों के खिलाफ एफआईआर हो। कहा कि कुछ अधिकारी इस फर्जीवाड़े में मिले हुए हैं, वे बाकी अधिकारियों पर दबाव बना रहे हैं।

ममता बनर्जी की तारीफ की

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के मुद्दे पर खुद बहस में शामिल होने के सवाल पर कहा कि ममता बनर्जी ने भाजपा की काली करतूतों के खिलाफ काला कोट पहना है। जनता को भी उसी तरह से सामने आना होगा। समाजवादी पार्टी ममता बनर्जी जी के साथ है। अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को विपक्ष की बात और चिंता गंभीरता से सुननी चाहिए।

भारत-अमेरिका डील नहीं ढील है

भारत-अमेरिका डील पर सपा प्रमुख ने कहा कि ये डील नहीं, ढील है। इस देश में कोई भी डील जो 70 फीसदी कृषि आधारित जनता के लिए हानिकारक है वो कभी लाभकारी साबित नहीं हो सकती है। कृषि और डेयरी को बचाने का जो झूठ सदन के पटल पर बोला जा रहा है, उसका संज्ञान भविष्य में लिया जाएगा और झूठा साबित होने पर कार्रवाई की माँग भी की जाएगी।

अमरोहा में छेड़छाड़ मामले ने पकड़ा तूल

» भाजपा विधायक नंद किशोर गुर्जर ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के अमरोहा में महिला उत्पीड़न और धमकी मामले ने तूल पकड़ लिया है। परिवारों ने असुरक्षा से परेशान होकर घरों पर पलायन के पोस्टर लगा दिए हैं। इस मामले की जानकारी मिलने पर बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर अमरोहा पहुंचे और लोगों से बात की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए और सख्त कार्रवाई की मांग की। इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा बल तैनात किया गया है। अमरोहा के हसनपुर कस्बे में महिला उत्पीड़न का मामला सामने आने के बाद बीजेपी विधायक नंद किशोर गुर्जर में पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

आरोप है कि सड़क किनारे अवैध रूप से रखे गए एक खोखे के पास कुछ युवकों ने महिलाओं से अभद्रता की और वीडियो बनाने की कोशिश की. जब उन्होंने विरोध किया तो उन्हें धमकियां दी गईं। इस पूरे मामले पर बीजेपी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने कहा कि ये मामला बहुत गंभीर है यहां अवैध रूप से जो खोका बनाया गया है वहां कई मुस्लिम लड़के बैठते हैं तो महिलाओं से बदतमीजी करते हैं. यहीं की सारी बहनों ने ये बात बताई है। जब उनके पति के साथ एक बहन जा रही थी तो उससे भी छेड़छाड़ हुई और महिला का वीडियो बनाने की कोशिश की।

आगामी चुनावों की तैयारी में जुटेगी बसपा

» मायावती 7 फरवरी को करेंगी प्रदेश के पदाधिकारियों की बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी आगामी चुनावों की पूरी में जुट गई है। इसी के तहत राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आगामी 7 फरवरी को प्रदेश भर के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगी। जिसमें विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बाबत संगठन के कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में जोनल से लेकर विधानसभा स्तर के पदाधिकारियों को बुलाया गया है। इस दौरान बसपा सुप्रीमो चुनाव की तैयारियों के बाबत अहम दिशा-निर्देश भी देंगी।

बता दें कि बसपा सुप्रीमो ने बीते दिनों

विधानसभा स्तर पर संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया था। जिसके बाद पार्टी द्वारा 1600 टीमों का गठन किया गया था, जो गांव-गांव जाकर बसपा समर्थकों को सक्रिय करने के साथ नए वोटर बनाने की मुहिम में जुटी थी। बैठक के दौरान इसकी रिपोर्ट ली जाएगी। साथ ही एसआईआर के कार्यों के बारे में भी सभी पदाधिकारियों को बताना होगा। इस दौरान यूजीसी के नये नियमों के बारे में भी बसपा सुप्रीमो पार्टी लाइन के बारे में बताएंगी ताकि सवर्ण वोट बैंक को अपने पाले में किया जा सके। दरअसल, यूजीसी के नये नियमों को लेकर बसपा ने सधी हुई प्रतिक्रिया दी थी, जिसकी सराहना भी हुई थी। अब इस मामले को लेकर बसपा सुप्रीमो पार्टी का रुख अधिक स्पष्ट कर सकती हैं ताकि पदाधिकारी उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचा सके। बैठक में सभी विधानसभा प्रभारी, जिला अध्यक्ष, बामसेफ के जिला संयोजक, भाईचारा कमेटी के पदाधिकारी और मंडल संयोजक मौजूद रहेंगे।

बीएमसी मेयर का चुनाव निर्विरोध नहीं होगा

» उद्धव ठाकरे की शिवसेना उतार सकती है अपना उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में 11 फरवरी को बीएमसी में मेयर और उप मेयर पद का चुनाव होने वाला है। बीएमसी में महायुति के पास पार्षदों का बहुमत है, ऐसे में महायुति का मेयर और उप महापौर आसानी से चुनकर आ सकते हैं, संख्याबल नहीं होने के बावजूद भी शिवसेना(यूबीटी) मेयर चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारने पर विचार कर रही है, इस संदर्भ में अंतिम फैसला लेने के लिए आज दोपहर में मातोश्री में बैठक बुलाई गई है।

इस बैठक में उद्धव ठाकरे, शिवसेना(यूबीटी) के मुंबई के विधायक और कुछ पार्षद मौजूद रहेंगे। 7 तारीख को नामांकन दाखिल करना है और 11 फरवरी को दोपहर 12 बजे मेयर पद का चुनाव होगा। वहीं एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में सूत्रों के अनुसार गणेश खानकर को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नया समूह नेता चुना गया है। सूत्रों ने बताया कि आधिकारिक घोषणा शीघ्र ही होने की उम्मीद है और पार्टी नेता औपचारिक घोषणा की तैयारी में जुटे हैं। गणेश खानकर ने दहिसर के वार्ड नंबर 7 से जीत हासिल करके बीएमसी में अपनी सीट सुरक्षित की। एक प्रचार अभियान भी चलाया गया था कि तेजस्वी घोषालकर उबाथा मुंबई नगर निगम चुनाव में शिवसेना समूह की ओर से इस वार्ड से चुनाव लड़ेंगे। लेकिन उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली और वार्ड नंबर 2 से टिकट प्राप्त किया। उसके बाद विनोद घोषालकर की दूसरी बहू पूजा घोषालकर ने वार्ड नंबर 7 से चुनाव प्रचार शुरू किया। लेकिन चूंकि यह वार्ड खुली श्रेणी में आता है, इसलिए विनोद घोषालकर के बेटे सौरभ घोषालकर को नामांकन दिया गया। लेकिन वे शिवसेना के इस गढ़ को बरकरार नहीं रख सके। इसी बीच, तेजस्विनी घोषालकर वार्ड नंबर 2 से भाजपा के टिकट पर निर्वाचित हुईं।

व्हीलचेयर पर संसद भवन पहुंचे सांसद शशि थरूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सांसद शशि थरूर बुधवार को संसद परिसर की सीढ़ियों पर फोन पर बात करते हुए फिसल गए, जिसके कारण आज थरूर व्हीलचेयर पर पार्लियामेंट पहुंचे। थरूर ने चोट के बारे में कहा कि उन्हें हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ है। दर्द है और ठीक होने में चार से छह हफ्ते लगेंगे। कुछ समय व्हीलचेयर पर ही संसद आना पड़ेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या नजर लग गई है तो इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कहीं ना कहीं तो नजर तो लगी है। मैं अपना काम करता रहूंगा, केरल चुनाव तो अप्रैल में होगा।

बता दें कि बुधवार की हुई इस घटना में शशि थरूर को अखिलेश ने संभाला और दोनों के बीच थोड़ी-सी बातचीत भी हुई। इसके बाद अखिलेश यादव थरूर का हाथ पकड़कर कुछ सीढ़ियों से उतरते दिखाई दिए। इसके बाद उनके स्वास्थ्य को लेकर कई लोगों ने चिंता व्यक्त की थी। अब इस वीडियो को खुद शशि थरूर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। शशि थरूर ने एक्स पर लिखा था कि जिस दीए को तूफां में जलना होगा, उसे संभल-संभल के चलना होगा। मैं ठीक हूं।

गौरव गोगोई को सौंपी गई असम प्रदेश इलेक्शन कमेटी की कमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। कांग्रेस ने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) की राज्य चुनाव समिति के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके अध्यक्ष कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई होंगे। 3 फरवरी को लिखे पत्र में कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश चुनाव समिति के गठन के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है।

पत्र में कहा गया है कि गौरव गोगोई-अध्यक्ष, अन्य सदस्य हैं देबब्रत सैकिया, रकीबुल हुसैन, प्रद्युत बोरदोलोई, भूपेन कुमार बोरा, रिपुन बोरा, पबन सिंह घटोवार, वाजिद अली चौधरी, रोसिलिना तिर्की, जाकिर हुसैन सिकदर, प्रदीप सरकार, अरुण दत्ता

मजूमदार, प्रणति फुकन, रेंस नारा, अब्दुल खालिक, दुर्गा भूमिज, अजीत सिंह, नंदिता दास, सिबामोनी बोरा, प्रद्युत भुइया, एके राशिद आलम, जादव स्वगियरी, पृथ्वी माझी, टंका बहादुर राय, प्राणेश्वर बसुमात्री, आरपी शर्मा, घाना बुरागोहेन, ऑगस्टिन एंघी, मेघनाथ छेत्री, बालिन कुली, हाफिज राशिद चौधरी, मेदी आलम बोरा, सुभमान अली सरकार, गंगाज्योति तायेगम और मौसम बरुआ। केसी वेणुगोपाल ने बताया कि विशेष आमंत्रितों में महासचिव (संगठन), एपीसीसी, सभी फ्रंटल संगठनों के प्रमुख, एपीसीसी के अध्यक्ष और एससी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, आदिवासी, कांग्रेस विभागों और चाय बागान प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शामिल हैं।

असम में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भाजपा कांग्रेस के खिलाफ अपनी सत्ता बचाने की कोशिश कर रही है। एक अन्य पत्र में, केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने रवि शर्मा को हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लिए किसान कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त करने के प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से मंजूरी दे दी है।

नहीं खत्म हो रहा कर्नाटक का सियासी नाटक

बकाया कांग्रेस व भाजपा में बड़े राजनीतिक टकराव का सबब बना

चुनाव में अभी समय पर बिछ रहीं गोटियां

» कर्नाटक ठेके दारों के बकाये बिल से लकर आबकारी तक में भ्रष्टाचार पर वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक में सियासी नाटक अब भी जारी है। कभी मुख्यमंत्री को लेकर बवाल मचता है तो भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा सवाल उठाती है। कांग्रेस व भाजपा में एकदूसरे पर वार करना भी नहीं थमता है। जबकि अभी वहां चुनाव में समय है। पर दोनों पार्टियां एक दूसरे की टांग खींचने में पीछे नहीं हटरही हैं। दरअसल कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ठेकेदारों के लंबित बिलों का दोष भाजपा पर मढ़ा है। कर्नाटक ठेकेदार संघ द्वारा लगभग 38,000 करोड़ रुपये के बकाया होने का आरोप लगाने के एक दिन बाद, भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाते हुए सरकार पर हमला बोला। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दावा किया कि इन बिलों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के कार्यकाल से बकाया है।

वहीं कर्नाटक के इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री प्रियांक खरगे ने भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग करने के लिए उनके पास ठोस सबूत नहीं हैं। खरगे ने तिम्मापुर का बचाव करते हुए कहा कि विपक्ष बिना कोई सबूत पेश किए सिर्फ जनता को खुश करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने विपक्ष को उनके खिलाफ सबूत पेश करने की चुनौती भी दी और कहा कि अगर वे एक भी सबूत पेश कर सकें तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं। सरकारी ठेकेदारों के कथित विलंबित भुगतान का मुद्दा भाजपा और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के बीच एक बड़े राजनीतिक टकराव में तब्दील हो गया है। भाजपा ने अब इस अवसर का लाभ उठाते हुए आरोप लगाया है कि राज्य में अभूतपूर्व भ्रष्टाचार फैला हुआ है। भाजपा नेता अरविंद बेल्लाड ने कहा, कर्नाटक कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम बन गया है। एक ओर सिद्धारमैया अपनी कुर्सी बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री बनने की होड़ में हैं। दोनों ने जनता को लूटना और उनका शोषण करना शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया में कर्नाटक को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है... कर्नाटक ठेकेदार संघ के अध्यक्ष ने दावा किया है कि राजनेताओं, यानी कांग्रेस को दी जाने वाली कुल कमीशन 60 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भारत में इस तरह का भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं देखा गया। डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया की इस होड़ में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है।

लंबित बिल भाजपा ने छोड़े : सिद्धारमैया

सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि ये लंबित बिल भाजपा ने छोड़े हैं। यह सच है कि बिल लंबित हैं, लेकिन इन्हें भाजपा ने ही छोड़ा है। मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा 38,000 करोड़ रुपये में से 20,000 करोड़ रुपये भाजपा सरकार से आए हैं, जबकि बाकी हमारी सरकार से आए हैं... उनके शासनकाल में ही एक करोड़ रुपये के बिल बन गए। अब तो बहुत ज्यादा रकम जमा हो गई है... हमें इन सभी चीजों का ध्यान रखना होगा।

ठेकेदारों का 38,000 करोड़ रुपये का बकाया

कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ ने पहले दावा किया था कि सरकार पर उनका लगभग 38,000 करोड़ रुपये का बकाया है और यदि बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे काम बंद कर देंगे। कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ के अध्यक्ष मंजुनाथ ने कहा कि ठेकेदारों का 38,000 करोड़ रुपये का बकाया है। मुख्यमंत्री से कई बार अनुरोध करने के बावजूद, हमारी कई समस्याएं अनसुलझी हैं। चिक्काबल्लापुर के ठेकेदार मुनेगौड़ा ने आज आत्महत्या का प्रयास किया। ठेकेदारों का बकाया जारी करने के लिए विभिन्न विभागों और मंत्रियों से कई बार अनुरोध किया गया है। सरकार ठेकेदारों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हम मुख्यमंत्री से ठेकेदारों की तत्काल बैठक बुलाने का आग्रह करते हैं। यदि ठेकेदारों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो फरवरी से काम बंद कर दिया जाएगा। हम 5 मार्च को हड़ताल करेंगे। हमने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी पत्र लिखा है।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ छेड़ा आंदोलन

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधानसभा सौधा के अंदर रात भर विरोध प्रदर्शन किया। कर्नाटक के विपक्ष के नेता आर अशोक और पार्टी के विधायकों ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने आंदोलन के तहत विधानसभा परिसर में रात बिताई। इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से भाजपा विधायक आबकारी विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर के इस्तीफे की मांग बेबुनियाद : प्रियांग खरगे

कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने कहा पिछले दस दिनों से, एक सप्ताह से अधिक समय से, वे इस मुद्दे को परिषद में उठा रहे हैं। उन्होंने विधानसभा में भी इस मुद्दे को उठाया है। अभी तक वे यह नहीं बता पाए हैं कि यह पूरी घटना कब और कैसे हुई। वे आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर के इस्तीफे की

मांग कर रहे हैं। अगर उन्हें सबूत का एक भी टुकड़ा मिल जाए तो वे इस्तीफा देने को तैयार हैं। विधानसभा सत्र के दौरान, वे अपने पास मौजूद कोई भी सबूत पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं। वे लोकायुत जाकर अपने सबूत पेश करने के लिए स्वतंत्र हैं। इसके बजाय, वे केवल तमाशा कर रहे हैं। उन्होंने सबूतों के अभाव पर भाजपा से सवाल करते हुए कहा, वे जिस सबूत की बात कर रहे हैं, वह कहाँ है?

कांग्रेस हमेशा ठोस सबूतों के साथ उठाती है मुद्दा

खरगे ने विपक्ष को यह भी बताया कि जब भी कांग्रेस ने कोई मुद्दा उठाया, तो उसने हमेशा ठोस सबूतों के साथ उठाया। वे जिस सबूत की बात कर रहे हैं, वह कहाँ है? वे जिस अपराध और अपराध से प्राप्त धन की बात कर रहे हैं, वह कहाँ है? कुछ भी दिखाया या दिया नहीं गया है। सिर्फ इसलिए कि एक अधिकारी ने दावा किया है कि हमें पूरे उच्चाधिकारियों को रिश्वत देनी होगी, इसका मतलब यह नहीं है कि मंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा शासन में हर दिन ऐसे आरोप लगते थे। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूँ कि जब भी हमने मुद्दे उठाए, तो हमने ठोस सबूतों के साथ उठाए।

भाजपा के कार्यकाल में ठेकेदारों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, तब कांग्रेस ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया था : नारायण

भाजपा नेता डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि जब भाजपा के कार्यकाल में ठेकेदारों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, तब कांग्रेस ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया था, लेकिन अब वही लोग कांग्रेस सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। जब भी कोई निविदा जारी होती है, यह स्पष्ट होता है कि भुगतान समय सीमा के भीतर किया जाना चाहिए। अन्यथा,

ठेकेदार अपना काम पूरा नहीं कर सकता, और न ही हम गुणवत्तापूर्ण काम की उम्मीद कर सकते हैं... इस दिशा में, सरकार को अधिक जिम्मेदार बनना होगा और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा... वे (सरकारी अधिकारी) पूरी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं... भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं... पिछले विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने इसे एक बड़ा मुद्दा बनाया था... हमारे कार्यकाल के दौरान ठेकेदार बार-बार उनकी आवाज बने और कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में काम करते रहे। लेकिन आज, वही लोग इस सरकार पर सवाल उठा रहे हैं... स्पष्ट रूप से, यहाँ के बिचौलिए हर तरह की रकम की मांग कर रहे हैं... यह सरकार एक एटीएम बन गई है, जो केवल ठेकेदारों को लूट रही है और उनका जीवन दयनीय बना रही है।

जांच एजेंसियों को काम सौंपा

उन्होंने आगे कहा कि हमने इसे जांच एजेंसियों को सौंप दिया है। मुझे लगता है कि वे भूल गए हैं कि जब इन लोगों द्वारा किए गए घोटाले में एडीजीपी रैंक के अधिकारी को गिरफ्तार किया गया था, तब इनमें से किसी ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। पीएसआई घोटाले के समय गृह मंत्री ने भी इस्तीफा नहीं दिया था। इसलिए, सबूत पेश कीजिए। हम चर्चा और बहस के लिए तैयार हैं, और तिम्मापुर का रुख बिल्कुल स्पष्ट है; सबूत का एक टुकड़ा भी मिला तो वे इस्तीफा दे देंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बच्चों पर निगरानी रखना बहुत जरूरी

सामाजिक विश्लेषकों का कहना है कि परिवार में एकल का चलन होना, मातापिता का बच्चों पर निगरानी न करना और कभी-कभी दूसरों के सहारे बच्चों को छोड़ना भी एक कारण है। बच्चों के साथ बुलिंग न हो इसके लिए माता-पिता को बच्चों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना चाहिए। बच्चों को बुलिंग के खतरे के बारे में खुलकर समझाना चाहिए।

गाजियाबाद से एक दिलदहलाने वाली खबर आई। तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल से कू द कर जान दे दिया। इन तीनों ने ये सुसाइड का कदम ऑनलाइन गेम के दिए टास्क की वजह से उठाया। उनमें जो सबको हेड कर रही थी उसकी उम्र मात्र 14 वर्ष थी। इस घटना के बाद कई सवाल उठ रहें हैं। सामजिक विश्लेषकों का कहना है कि परिवार में एकल का चलन होना, मातापिता का बच्चों पर निगरानी न करना और कभी-कभी दूसरों के सहारे बच्चों को छोड़ना भी एक कारण है। बच्चों के साथ बुलिंग न हो इसके लिए माता-पिता को बच्चों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना चाहिए। बच्चों को बुलिंग के खतरे के बारे में खुलकर समझाना चाहिए। बच्चों को अकेले इधर-उधर नहीं भेजना चाहिए। यदि जरा भी आशंका लगे तो पुलिस कार्रवाई करनी चाहिए। प्रशासन को भी बुलिंग अपराधियों को सख्त सजा देनी चाहिए। प्रशासन की सख्त कार्रवाई और अभिभावकों की सजगता से बच्चों को बुलिंग से होने वाले हादसों से बचाया जा सकता है।

साइबर बुलिंग से बचाव के लिए स्कूल और घर का माहौल सकारात्मक रहना जरूरी है। बच्चों के साथ माता-पिता संवाद बनाए रखें। बच्चों को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से मजबूत रहने के लिए प्रेरित करें। यदि उनके व्यवहार में कोई परिवर्तन दिखे या स्कूल में कोई परेशानी है, तो इसके बारे में जानकारी रखें। माता-पिता का लगातार निगरानी रखना और बच्चों को इसके बारे में जागरूक करना ही सबसे बड़ा उपाय है। बुलिंग के कारण बच्चों के व्यवहार में आए बदलाव को पहचानना और उनके साथ नियमित संवाद करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चे अपनी समस्याओं को खुलकर साझा कर सकते हैं। माता-पिता को यह विश्वास दिलाना चाहिए कि यदि कुछ गलत होता है, तो बच्चे आसानी से उनसे बात कर सकते हैं। बच्चों को बुलिंग के खतरों के बारे में जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित रूप से इंटरनेट का उपयोग करना सिखाना चाहिए। साथ ही, सोशल मीडिया पर दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना और आक्र ामकता से बचना भी आवश्यक है। बच्चों के साथ बुलिंग की घटनाएं रोकने के लिए परिवार, स्कूल और समाज को मिलकर प्रयास करने चाहिए। माता-पिता को बच्चों से खुलकर संवाद करना चाहिए ताकि वे बिना डरे अपनी समस्या बता सकें। स्कूलों में सख्त एंटी-बुलिंग नीति, शिक्षकों की सतर्कता और सुरक्षित शिकायत व्यवस्था होनी चाहिए। बच्चों में आत्मविश्वास, सहानुभूति और न कहने का साहस विकसित करना जरूरी है तथा साइबर बुलिंग से बचाव के लिए डिजिटल जागरूकता भी दी जानी चाहिए। जब समाज बुलिंग को मजाक नहीं बल्कि गंभीर मानसिक हिंसा मानेगा और समय पर परामर्श व कानूनी सहायता उपलब्ध होगी, तभी बच्चों को सुरक्षित और सम्मानपूर्ण वातावरण मिल सकेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राष्ट्रीय सुरक्षा और राहुल की राजनीतिक सूझबूझ

ललित गर्ग

नीति-निर्माण, राष्ट्रीय सुरक्षा और संसदीय विमर्श जैसे गंभीर विषय किसी भी लोकतंत्र की रीढ़ होते हैं। संसद केवल सत्ता और विपक्ष के टकराव का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिक विवेक और जिम्मेदार अभिव्यक्ति का सर्वोच्च स्थल है। ऐसे में जब राष्ट्रपति के अभिभाषण जैसे संवैधानिक और गरिमामय अवसर पर चर्चा चल रही हो, तब किसी भी नेता से यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि वह शब्दों, संदर्भों और समय-तीनों के प्रति अतिरिक्त सावधानी बरते। हालिया घटनाक्रम में लोकसभा में प्रतिनक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कुछ अंशों का हवाला देकर चीनी सेना की कथित घुसपैठ को लेकर जो बयान दिया गया, उसने इसी अपेक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए। सरकार का आरोप रहा कि इस बयान ने लोकसभा को गुमराह करने का प्रयास किया, जबकि विपक्ष ने इसे सच दबाने की कोशिश बताकर पलटवार किया।

परिणाम यह हुआ कि संसद की कार्यवाही बाधित हुई, तीखी बहस ने पूरे दिन का सत्र स्थगित करा दिया और राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र मूल मुद्दों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप बन गया। यह प्रश्न केवल एक वक्तव्य का नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता, जिम्मेदारी और राष्ट्रीय हित की समझ का है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक वक्तव्यों में संवेदनशीलता अनिवार्य होती है। सीमाओं से जुड़े तथ्य, सैन्य तैनाती, रणनीतिक आकलन-ये सब ऐसे विषय हैं जिन पर आधे-अधूरे संदर्भ या चयनित उद्धरण अनावश्यक भ्रम पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने इसे संसदीय नियमों के उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ बताया। लोकसभा अध्यक्ष द्वारा व्यवस्था देने के बावजूद यदि किसी नेता का अपने वक्तव्य पर अड़े रहना कार्यवाही को ठप कर दे, तो सवाल उठता है कि क्या उद्देश्य सच सामने लाना था या राजनीतिक लाभ साधना। विपक्ष का दायित्व सत्ता से सवाल करना है, यह लोकतंत्र का प्राण है।

किंतु सवालों की भाषा, मंच और समय-तीनों लोकतांत्रिक मर्यादाओं से बंधे होते हैं। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा का समय सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा पर समग्र विमर्श का होता है। उस दौरान सैन्य पुस्तकों के चयनित अंशों को राजनीतिक हथियार बनाना, वह भी बिना समुचित संदर्भ और संस्थागत

प्रक्रिया के, स्वाभाविक रूप से विवाद को जन्म देता है। विपक्ष का यह कहना कि सरकार असहज प्रश्नों को दबाना चाहती है, एक परिचित एवं बेतूका राजनीतिक तर्क है; परंतु सरकार का यह कहना कि राष्ट्रीय सुरक्षा को राजनीतिक रंग देना अनुचित है, उतना ही वजनदार प्रतिवाद है। दोनों पक्षों के बीच संतुलन वहीं संभव है, जहां तथ्य, प्रक्रिया और समय का सम्मान हो। संसद के भीतर अप्रकाशित 'संस्मरण' के जिक्र पर विवाद होना स्वाभाविक है। क्योंकि संसदीय परंपराओं और स्थापित नियमों के अनुसार किसी भी सदस्य द्वारा संसद के पटल पर ऐसी प्रकाशित या अप्रकाशित पुस्तक, लेख या पत्रिका की सामग्री को प्रमाण के रूप में उद्धृत करना स्वीकार्य नहीं है, जिसे सदन के समक्ष औपचारिक रूप से प्रस्तुत (टेबल) न किया गया हो। विशेष रूप से ऐसी पुस्तकों या लेखों के अंश, जिनकी न तो संसदीय सत्यापन प्रक्रिया हुई हो और न ही जिन्हें सदन की अनुमति से अभिलेखित किया गया हो, उन्हें तथ्यात्मक प्रमाण मानना संसदीय मर्यादा के विरुद्ध है। इस दृष्टि से राहुल गांधी द्वारा किसी अप्रकाशित पुस्तक के अंशों को सीधे उद्धृत कर उन्हें नीतिगत या राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर अंतिम सत्य के रूप में प्रस्तुत करना न केवल संसदीय नियमों की अवहेलना है, बल्कि इससे सदन की गरिमा और कार्यवाही की विश्वसनीयता भी आहत होती है। राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारत पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी।

गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका उल्लेख राहुल कैसे कर सकते हैं? राहुल गांधी का आरोप कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया, बेबुनिया एवं भ्रमित करने वाला आरोप है। यह पहली बार नहीं है, जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं।

UGC विवाद ऐतिहासिक फैसला करने का समय आ गया है

संतोष कुमार पाठक

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी द्वारा बनाए गए नए नियमों पर फिलहाल रोक तो लगा दिया है लेकिन इसके बावजूद यह विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। पहले यूजीसी द्वारा बनाए गए नियमों के खिलाफ अगड़ी जातियों के लोग सड़कों पर थे और अब इसके समर्थन में एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोग सड़कों पर हैं। विवाद चाहे किसी भी मुद्दे पर हो, यह तनाव लाता है और समाज की शांति को भंग करता है। इसलिए विवाद को टालने की बजाय हमेशा स्थाई समाधान को तलाशने के लिए काम करना चाहिए। सही मायने में देखा जाए तो यूजीसी नियमों पर मचे घमासान या यूं कहें कि ताजा विवाद ने दुनिया के सबसे प्राचीन और सबसे विशाल लोकतांत्रिक देश भारत को एक बड़ा मौका दे दिया है और हम अगर इस बार चूक गए तो फिर आने वाले कई दशकों तक यह विवाद देश और समाज की शांति को भंग करता रहेगा।

सामान्य भाषा में कहे तो हमारे देश के संविधान ने भारत में रहने वाले सभी लोगों को समानता का अधिकार दिया है, चाहे वो किसी भी जाति, धर्म या संप्रदाय से जुड़े हुए हो। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत तो यही रहा है कि सौ दोषी भले छूट जाएं, लेकिन एक भी निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए। यह सिद्धांत हमें स्पष्ट तौर पर बताता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्याय प्रणाली पर पूरे समाज के भरोसे को बरकरार रखने के लिए यह सबसे अधिक जरूरी है कि किसी भी निर्दोष को किसी भी हालत में वर्ष, महीने, दिन और घंटे तो छोड़िए, एक सेकंड के लिए भी प्रताड़ित नहीं किया जाना चाहिए। इस कसौटी पर रखकर जब यूजीसी के नियमों को तौला जाता है तो यह साफ-साफ नजर आता है कि यूजीसी ने अपने नियम के जरिए भारत के लोकतांत्रिक और न्यायिक व्यवस्था के मूल सिद्धांत को ही कुचलने की तैयारी कर ली थी। कई लोग यह तर्क भी देते हुए नजर आए कि दुरुपयोग तो किसी भी कानून का हो सकता है। कुछ लोगों ने कई अन्य कानूनों के दुरुपयोग का उदाहरण दिया तो कुछ लोगों ने हज़ार वर्षों के शोषण का जिक्र करते हुए इसे सही ठहराया।

हालांकि भारत के लोगों के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि यह मामला सिर्फ अगड़ा बनाम पिछड़ा भर का नहीं रह गया है और इसे रहना भी नहीं चाहिए। आजादी के 75 वर्षों बाद अब यह सोचने का समय आ गया है कि क्या हमारी व्यवस्था कानून का पालन करने वाले निर्दोष लोगों के साथ न्याय कर पा रही है। यह आपको अजीब लगेगा लेकिन सही मायनों में अब हमें इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाना चाहिए कि आखिर बिना किसी सजा के लोगों को दिन, महीने, साल ही नहीं दशकों तक जेल की सलाखों के पीछे रखने के लिए जिम्मेदार कौन है? महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून, दहेज, महिला उत्पीड़न सहित उन तमाम कानूनों की समीक्षा करने का वक्त आ गया है जो पुलिस को बिना किसी जांच के गिरफ्तार करने का अधिकार देते हैं। एक लोकतांत्रिक देश में बिना किसी सबूत के किसी भी व्यक्ति को किसी भी सूरत में गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए।

जो लोग हजारों वर्षों के शोषण की याद दिलाते हैं,उन्हें यह भी याद रखना चाहिए कि उनके स्तर को उठाने और भेदभाव खत्म करने के लिए ही आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है और देश का अगड़ा वर्ग भी पिछले कई दशकों से इसे स्वीकार कर चुका है। लेकिन किसी को भी इतना अधिकार तो नहीं दिया जाना चाहिए कि वो किसी और जाति, धर्म अथवा संप्रदाय के लोगों को बिना मतलब कानूनी विवाद में उलझा दें अथवा जेल भिजवा दें। सबसे बड़ी बात तो यह है कि, लोग ना जाने क्यों इस तथ्य को भी भुला देते हैं कि हजार साल पहले की शासन व्यवस्था चाहे जैसी भी रही हो लेकिन इस देश में पिछले 75 वर्षों से लोकतंत्र है, संसद है, न्यायपालिका है और मीडिया भी है। अगर हजार साल पहले ऐसा कुछ हुआ भी होगा जिसका दावा आमतौर पर किया जाता है तो क्या उसका बदला अब एक आज़ाद लोकतांत्रिक देश में लेने की इजाज़त दी जा सकती है। यह तो आंख के बदले आंख लेने जैसा नियम लागू हो जाएगा। वाद-विवाद में तथ्यों और आंकड़ों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है लेकिन दुर्भाग्य से आज के माहौल में कोई इस पर बात ही नहीं करना चाहता। ऐसा लगता है जैसे सब अपना-अपना दायरा पहले ही तय कर चुके हैं और कोई भी इससे आगे जाना ही नहीं चाहता।

शोषण कौन कर रहा है और शोषण किसका हो रहा है, यह तो किसी व्यक्ति या कुछ व्यक्तियों के परसेप्शन के आधार पर तय नहीं हो सकता, इसकी गवाही तो सिर्फ और सिर्फ आंकड़ें ही दे सकते हैं और जैसे ही आप आंकड़ों को सामने रखते हैं तो सारी कहानी ही पलटी हुई नजर आती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि बार-बार आबादी के बहाने इस विवाद को सुलगाने की कोशिश करने वाले ये भूल जाते हैं कि अगर आप बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक की बात करेंगे तो फिर संविधान निर्माताओं की भावना का सम्मान करते हुए ऐसे लोगों को जिनकी आबादी कम है, उन्हें तो कई तरह के विशेषाधिकार देने पड़ेंगे। इसलिए , इस विवाद को हमेशा-हमेशा के लिए खत्म करना अब बहुत जरूरी हो गया है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार बार-बार आज़ादी के 100 वर्ष पूरे होने यानी 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का दावा कर रही है तो क्या एक विकसित भारत में भी हमारा देश अतीत की गठरी लेकर ही प्रवेश करेगा? इस सवाल का जवाब अब तो ढूंढ ही लेना चाहिए।

आलू समोसा

घर पर बनाना है बेहद आसान

ठंडक का मौसम हो और कुछ चटपटा खाने का मन न करें, ऐसा तो हो ही नहीं सकता। यही वजह है कि इस मौसम में हर गली-मोहल्ले में समोसे, पकोड़ी, टिक्की और चाट बेहद कम दामों में मिलती है। पर, हर दिन बाजार में बनने वाले स्नैक्स खाना सही नहीं माना जाता। इसलिए आप घर पर ही आसानी से समोसा बना सकती हैं जिसे बड़े से लेकर बच्चे तक खूब चाव से खाएंगे। जो बाजार में आपको 10 से 20 रुपये में समोसा मिल जाता है। तो जब घर पर ही हलवाई जैसा समोसा तैयार हो सकता है, तो बाहर का तला-भुना क्यों खाना?

स्टफिंग का सामान

उबले आलू - 4 मध्यम आकार के, हरी मटर- 1/2 कप, हरी मिर्च - 1-2, अदरक - 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच, जीरा-1/2 छोटा चम्मच, गरम मसाला - 1/2 छोटा चम्मच, अमचूर-1/2 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, हरा धनिया- थोड़ा, तेल - 1-2 चम्मच (तलने के लिए)।

मैदे का डो बनाने का सामान

मैदा- 2 कप, नमक- 1/2 छोटा चम्मच, अजवाइन- 1/2 छोटा चम्मच, तेल- 2 बड़े चम्मच (मोयन के लिए), पानी- गूंथने के लिए।

विधि

सबसे पहले बारी आती है मैदे का डो तैयार करने की तो उसके लिए एक बड़े बर्तन में मैदा, नमक, अजवाइन और तेल डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए मैदा गूंथ लें। जब ये टाइट गुंथ जाए तो इसे ढककर साइड में रख दें। ध्यान रखें कि इसे आपको ऐसे खुला नहीं छोड़ना है। अब बारी आती है स्टफिंग को तैयार करने की तो उसके लिए सबसे पहले आलुओं को उबालकर हाथ से ही मैश कर लें। आलुओं को मैश करने के बाद एक पैन में थोड़ा तेल गरम करें। जब तेल गरम हो जाए उसमें जीरा, अदरक और हरी मिर्च डालें। मसालों के भुनने के बाद इसमें मटर और मसले हुए आलू डालें। अब बारी आती है धनिया पाउडर, गरम मसाला, अमचूर, नमक और हरा धनिया डालने की तो सभी चीजों को मिक्स करने के बाद इसे 5 मिनट तक पकाएं। अब इसे ठंडा होने दें। इसे समोसे में पूरी तरह से ठंडा होने के बाद ही भरना है। सबसे आखिर में बारी आती है समोसा तैयार करने की तो उसके लिए गूंथे हुए आटे से छोटी लोई बनाएं और बेलकर बीच में से काट लें। काटे हुए आधे हिस्से को कोन जैसा बनाएं और किनारे पानी से चिपकाएं। अब उसमें 1-2 चम्मच भरावन भरें और नीचे से बंद कर दें। सभी समोसे आपको इसी तरह तैयार करने हैं। जब समोसे तैयार हो जाएं तो कढ़ाई में तेल गर्म करें और उसमें समोसे डालें। इसे हर तरफ से सुनहरा होने तक तलें। जब ये सुनहरे हो जाएं तो निकालकर चटनी के साथ गरम ही परोसें।

पिज्जा की जगह ट्राई करें पिज्जा बम

अगर आप बार-बार एक ही तरह का पिज्जा खाकर बोर हो चुके हैं, तो अब वक्त है कुछ नया और धमाकेदार ट्राई करने का। आज हम लेकर आए हैं 'पिज्जा बम' की रेसिपी, जो स्वाद में पिज्जा से भी ज्यादा मजेदार है। इसका नाम ही बताता है कि इसमें फ्लेवर और चीज का धमाका छिपा है। ये बाहर से क्रिस्पी और अंदर से सॉफ्ट व चीजी होते हैं। पिज्जा बम बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएंगे और इसे आप पार्टी, लंच या ईवनिंग स्नैक्स में आसानी से बना सकते हैं। बस कुछ सिंपल इंग्रीडिएंट्स जैसे पिज्जा सॉस, चीज, सब्जियां और मैदा से यह डिश मिनटों में तैयार हो जाती है।

पिज्जा बम की सामग्री

मैदा, यीस्ट, नमक, चीनी, तेल, पिज्ज़ा सॉस, चीज, शिमला मिर्च, प्याज, स्वीट कॉर्न, ऑरेगानो- चिली फ्लैक्स।

विधि

पिज्जा बम बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले आपको इसका आटा तैयार करना है। इसके लिए एक बड़े से कटोरे में सबसे पहले मैदा, यीस्ट, नमक और चीनी मिलाकर सॉफ्ट आटा गूंथ लें। जब ये सही से गुंथ जाए तो इसे कम से कम 1 घंटे के लिए ढककर रख दें ताकि ये फूल जाए। इसे इस दौरान बिल्कुल छेड़ें नहीं। जब तक ये सही से सेट हो रहा है, तब तक सभी सब्जियों को बारीक काटकर एक कटोरे में मिक्स करें। इसमें हल्का सा नमक, पिज्जा सॉस और चीज मिक्स करें। इसके साथ-साथ ऑरेगानो- चिली फ्लैक्स भी इसी समय इसमें मिक्स कर दें। अब तैयार डो से छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर फैलाएं। इसमें हल्की सी पिज्जा सॉस लगाएं और सभी सब्जियों की स्टफिंग रखें। ऊपर से थोड़ा सा चीज और डालकर इसे गोलाकार शेप में बंद कर दें। शेप देने के बाद इसे ऊपर हल्का सा बटर लगाएं और फिर ओवन में बेक करें। बस तैयार है क्रिस्पी और चीजी और क्रिस्पी पिज्जा बम। इसे गरमागरम ही सर्व करें, ताकि चीज का स्वाद और भी अच्छी तरह से आए।

हंसना मना है

पत्नी- सुनो जी अखबार में खबर है कि एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बेच डाला? पति- ओह! कितने में? पत्नी एक साइकिल के बदले में, कहीं तुम भी तो ऐसा नहीं करोगे, पति- मैं इतना मूर्ख थोडे ही हूं, तुम्हारे बदले में तो कार आ सकती हैं।

पत्नी- शादी के पहले तुम बहुत मंदिर जाते थे, अब क्या हो गया.. पति- फिर तुमसे शादी हो गई, और मेरा भगवान पर से भरोसा ही उठ गया?

पोता- दादी आपने कौन-कौन से देश घूमे हैं? दादी- अपना पूरा हिंदुस्तान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उजबेकिस्तान। पोता- दादी अब कहां घूमोगी? पीछे से छोटा पोता बोला- कब्रिस्तान?

मोनू- ओए तेरा सिर कैसे फट गया? सोनू- चप्पल से पत्थर तोड़ रहा था। मोनू- लेकिन उसमें सिर कहां से आया? सोनू - बगल से गुजरते हुए एक आदमी ने कहा कभी खोपड़ी का इस्तेमाल भी कर लिया करो।

कहानी — बुद्धिमान बंदर और मगरमच्छ

एक घने जंगल में जानवर एक दूसरे के साथ बहुत प्यार से रहा करते थे। जंगल के बीच एक बहुत सुंदर और बड़ा तालाब था। उस तालाब में एक मगरमच्छ रहता था। तालाब के चारों ओर बहुत सारे फलों के पेड़ लगे हुए थे। उनमें से एक पेड़ पर बंदर रहता था। बंदर और मगरमच्छ एक दूसरे के बहुत अच्छे दोस्त थे। बंदर पेड़ से मीठे और स्वादिष्ट फल खाता था और साथ ही अपने दोस्त मगर को भी देता था। बंदर अपने दोस्त मगर का खास ख्याल रखता और मगर भी उसे अपनी पीठ पर बैठाकर पूरे तालाब में घुमाता था। दिन निकलते गए और दोनों की दोस्ती गहरी होती गई। बंदर जो फल मगरमच्छ को देता था, मगरमच्छ उनमें से कुछ फल अपनी पत्नी को भी खिलाता था। बहुत दिनों के बाद एक बार मगर की पत्नी ने कहा कि बंदर तो हमेशा ही स्वादिष्ट फल खाता रहता है। जरा सोचो उसका कलेजा कितना स्वादिष्ट होगा। वह मगर से जिद करने लगी कि उसे बंदर का कलेजा खाना है। मगर ने उसे समझाने कि कोशिश की, लेकिन उसने नहीं माना और वो मगर से रूठ गई। अब मगर को न चाहते हुए भी हां बोलना पड़ा। उसने कहा कि वो दूसरे दिन बंदर को अपनी गुफा में लेकर आ जाएगा, तब उसका कलेजा निकालकर खा लेना। इसके बाद मगर की पत्नी मान गई। हर दिन की तरह स्वादिष्ट फलों के साथ बंदर मगर का इंतजार करने लगा। कुछ ही देर में मगर भी आ गया और दोनों ने मिलकर फल खाए। मगरमच्छ बोला कि दोस्त आज तुम्हारी भाभी तुमसे मिलना चाहती है। चलो तालाब की दूसरी ओर मेरा घर है, आज वहां चलते हैं। बंदर झट से मान गया और उछलकर मगर की पीठ पर बैठ गया। मगर उसे लेकर अपनी गुफा की ओर बढ़ने लगा। जैसे ही दोनों तालाब के बीच पहुंचे, मगर ने कहा कि मित्र आज तुम्हारी भाभी की इच्छा है कि वो तुम्हारा कलेजा खाये। ऐसा कहकर उसने पूरी बात बताई। बात सुनकर बंदर कुछ सोचने लगा और बोला मित्र तुमने मुझे यह पहले क्यों नहीं बताया। मगर ने पूछा क्यों मित्र क्या हो गया। बंदर बोला कि मैं अपना कलेजा तो पेड़ पर ही छोड़ आ हूं। तुम मुझे वापस ले चलो तो मैं अपना कलेजा साथ में ले आऊंगा। मगर बंदर की बातों में आ गया और वापस किनारे पर आ गया। वो दोनों जैसे ही किनारे पर पहुंचे बंदर झट से पेड़ पर चढ़ गया और बोला कि मूर्ख तुझे पता नहीं कि कलेजा हमारे अंदर ही होता है। मैं हमेशा ही तुम्हारा भला सोचता रहा और तुम मुझे ही खाने चले थे। कैसी मित्रता है यह तुम्हारी। चले जाओ यहां से। मगर अपनी करनी पर बहुत शर्मिंदा हुआ और उसने बंदर से माफी मांगी, लेकिन अब बंदर उसकी बातों में नहीं आने वाला था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

वृषभ — बुरी खबर मिल सकती है। आर्थिक तंगी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

मिथुन — मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें।

कर्क — उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

सिंह — राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ होगा। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें।

कन्या — फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा।

तुला — रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं।

धनु — धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है।

मकर — वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे।

कुम्भ — प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है।

मीन — संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है।

हॉलीवुड | मन की बात

एक्टर के मैनेजर ने किया खुलासा जल्द बड़ा एलान कर सकते हैं गोविंदा

गोविंदा के प्रशंसक उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं। जल्द उनका यह इंतजार पूरा हो सकता है। गोविंदा कई ऑफर्स पर विचार करने में व्यस्त हैं। सही प्रोजेक्ट चुनने के लिए समय ले रहे हैं। एक्टर के मैनेजर शशि सिन्हा ने बताया कि गोविंदा के करियर ग्राफ के बारे में डिटेल्स शेयर करते हुए कहा कि उनके काम में कोई गिरावट नहीं आई है। शशि सिन्हा ने आगे बताया, कई प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिससे वह बिजी हैं। एक समय था, जब गोविंदा एक साल में करोड़ों के प्रोजेक्ट छोड़ देते थे। आज अगर उन्हें कोई स्क्रिप्ट पसंद नहीं आती, तो कोई बात नहीं। यह अलग बात है। कई प्रोड्यूसर और एक्टर भी उन्हें ऑफर दे रहे हैं, भले ही हाल के दिनों में उनकी कोई हिट फिल्म नहीं आई है। वह बस सही ऑफर का इंतजार कर रहे हैं। शशि सिन्हा ने यह भी बताया कि गोविंदा अपने प्रोफेशन के हिस्से के तौर पर हाल के इवेंट्स में परफॉर्म कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गोविंदा आने वाले दिनों में एक बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकते हैं। शशि सिन्हा ने गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता के बीच संभावित मनमुटाव की अफवाहों पर भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनके और उनकी पत्नी के बीच कोई समस्या है। आप सुनीता जी या गोविंदा जी से पूछ सकते हैं। वह अपनी पत्नी और बच्चों का ख्याल रख रहे हैं। ये अफवाहें निराधार हैं। बता दें कि मैनेजर की तरफ से ऐसी टिप्पणी अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों के बीच अपने खिलाफ साजिश से बचाने के लिए भगवान से प्रार्थना करने के कुछ दिनों बाद हुई। एएनआई से बात करते हुए गोविंदा ने कहा, यह दौलत और शोहरत किसी को नहीं छोड़ती और इस तरह की साजिशें सबके साथ नहीं होतीं। मैं एक बहुत मशहूर एक्टर को जानता हूं, जो इसका शिकार हुआ था और अब मैं हूं। हालांकि मैं उनके जितना बड़ा नहीं हूं।

प्रशंसकों में बढ़ा उत्साह, 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी पेद्दी

राम चरण हाल ही में जुड़वां बच्चों के पिता बने हैं। पिछले महीने की आखिरी तारीख को ही उनकी पत्नी उपासना ने जुड़वां बच्चों- बेटा और बेटी को जन्म दिया है। इस बीच अब राम चरण के फैंस के लिए एक और खुशखबरी आई है। राम चरण की आगामी फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज डीट की घोषणा कर दी गई है।

जब से राम चरण की फिल्म पेद्दी का ऐलान हुआ है, तब से यह लगातार सोशल मीडिया पर छाई हुई है। फैंस फिल्म की हर एक अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है। मेकर्स की ओर से आज 'पेद्दी' का एक नया पोस्टर जारी किया गया। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी गई है। मेकर्स ने पोस्टर जारी करके बताया कि 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके बाद अब फैंस फिल्म के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

रिलीज किया गया है, उसमें राम चरण कई लोगों के बीच खड़े हुए हैं। नए पोस्टर में राम चरण लंबे बालों, बड़ी दाढ़ी, खून से सने चेहरे और धूल में लिपटे रफ-टफ अवतार में नजर आ रहे हैं। भीड़ के बीच खड़े राम चरण की दमदार मौजूदगी एक पावरफुल, मास अपील वाले किरदार की ओर इशारा करती है। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, 'उसके आने की तारीख बदल सकती है, लेकिन उसकी जबरदस्त ताकत और जज्बा नहीं। 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।'

बुची बाबू सना द्वारा निर्देशित 'पेद्दी' को इस साल की बड़ी पैन इंडिया फिल्मों में गिना जा रहा है। फिल्म में राम चरण के साथ जान्हवी कपूर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

अब बड़े पर्दे पर 'हाउस वाइफ' की भूमिका निभायेंगी आलिया भट्ट

आलिया भट्ट बीते कुछ समय से बड़े पर्दे पर नजर नहीं आई हैं। उनकी आखिरी रिलीज फिल्म 'जिगरा' थी, जो अक्तूबर 2024 में रिलीज हुई थी। पूरे 2025 में आलिया की एक भी फिल्म रिलीज नहीं हुई। इस बीच अब आलिया भट्ट की आगामी फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक कर सकते हैं।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट आगामी फिल्म 'हाउसवाइफ' में लीड रोल में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक करेंगे, जिन्होंने इससे पहले 'दृश्यम 2' जैसी हिट फिल्म बनाई थी।

अगर आलिया इस फिल्म में काम करती हैं, तो वे एक शादीशुदा महिला का किरदार निभाएंगी। कहानी घर-परिवार से जुड़े मुद्दों पर आधारित होगी। यह पहली बार होगा जब आलिया इस तरह के किरदार में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया के साथ इस फिल्म में राजकुमार राव प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। अगर ऐसा होता है तो आलिया और राजकुमार पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर 2026 में शुरू होने की उम्मीद है। अभिषेक पाठक 'दृश्यम 3' की शूटिंग पूरी करने के बाद इस फिल्म को शुरू कर सकते हैं।

आलिया भट्ट आखिरी बार 'जिगरा' में नजर आई थीं। उनकी आगामी फिल्मों में यशराज के स्पाई-यूनिवर्स की एक्शन फिल्म 'अल्फा' है। इसमें उनके साथ में शरवरी वाघ और बॉबी देओल प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा, वो संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में पति रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ काम कर रही हैं।

अजब-गजब | चीन की इस जनजाति में है अजीब परंपरा!

यहां जवान होते ही काले कर दिए जाते हैं लोगों के दांत

चीन के युन्नान प्रांत की पहाड़ियों में एक ऐसी जनजाति रहती है, जिसकी सोच आधुनिक दुनिया से बिल्कुल उलट हैं। यहां के बुलांग समुदाय के लिए सफेद दांत खूबसूरती नहीं, बल्कि जानवरों और शैतानों की पहचान हैं। अपनी इसी प्राचीन परंपरा को निभाने के लिए यहां के लोग सदियों से अपने दांतों को पूरी तरह काला करते आ रहे हैं। युन्नान के जंगलों में बसी इस जनजाति का इतिहास एक हजार साल से भी ज्यादा पुराना है और आज भी इनके रिवाज किसी को भी हैरान कर सकते हैं। बुलांग समुदाय में जब कोई बच्चा किशोरावस्था (14-15 साल) में कदम रखता है, तो उसके लिए एक खास सांस्कृतिक अनुष्ठान किया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में 'रांची 'कहा जाता हैं।

यह महज एक रस्म नहीं, बल्कि एक बच्चे के वयस्क होने का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। 'रांची' का असल मतलब दांतों को काला करने की वह पूरी प्रक्रिया है, जिसके बाद ही किसी लड़के या लड़की को समाज में पूर्ण अधिकार मिलते हैं। इस चौंकाने वाली परंपरा के पीछे मान्यता यह है कि काला रंग शक्ति और सौंदर्य का प्रतीक हैं। बुलांग लोगों का मानना है कि दांतों को काला करने से इंसान बुरी शक्तियों और आपदाओं से सुरक्षित रहता हैं। 'रांची' की यह प्रक्रिया काफी धैर्य और समय मांगती हैं। इसे पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया जाता हैं। सबसे पहले

दांतों पर खट्टे फलों का रस लगाया जाता है, जिससे दांतों की ऊपरी परत रंग पकड़ने के लिए तैयार हो जाती हैं। इसके बाद जलती हुई लकड़ी या राल से निकलने वाले गाढ़े काले धुएं का इस्तेमाल दांतों को स्थायी रूप से रंगने के लिए किया जाता हैं। कई बार युवा लड़के और लड़कियां एक-दूसरे के दांतों को रंगने में मदद करते हैं, जिसे सामाजिक मेल-जोल का एक हिस्सा माना जाता हैं। इस अनुष्ठान के बिना बुलांग समाज में किसी को भी शादी करने या गांव के महत्वपूर्ण फैसलों में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जातीं। उनके लिए 'रांची' एक ऐसी परीक्षा है जो यह साबित करती है कि अब आप बच्चा नहीं रहे और जिम्मेदारी उठाने के लिए तैयार हैं। इन लोगों का यह भी मानना है कि इस तरीके से दांतों को काला करने से दांत मजबूत होते हैं और बुढ़ापे तक गिरते नहीं हैं। जब कोई लड़का 'रांची' की रस्म पूरी कर वयस्क बनता है, तो उसे समाज की ओर से एक लंबी कुल्हाड़ी, एक झोला और कंबल दिया जाता हैं। वहीं लड़कियों को नए कपड़े और बांस की टोकरी भेंट की जाती हैं। युन्नान के गांवों में आज भी कई बुजुर्गों के काले दांत इस प्राचीन और लुप्त होती संस्कृति की याद दिलाते हैं।

हालांकि, यह प्रथा सिर्फ चीन तक सीमित नहीं रही है, जापान के सामंती काल और वियतनाम के कुछ हिस्सों में भी वफादारी और ऊंचे दर्जे के लिए दांत काले करने का रिवाज रहा हैं। बुलांग जनजाति की अन्य परंपराएं भी उतनी ही खास और अलग हैं। यहां की महिलाएं कानों में बड़े और भारी झुमके पहनती हैं। माना जाता है कि कान के छेद जितने बड़े होंगे, महिला उतनी ही धनवान और ऊंचे सामाजिक स्तर की होगीं। वहीं, पुरुषों के लिए शरीर पर टैटू बनवाना अनिवार्य माना जाता हैं। बिना टैटू वाले पुरुष को समाज में 'डरपोक' की नजर से देखा जाता हैं। लड़के अपने शरीर पर अक्सर मछली, खूंखार जानवरों और जादुई चिन्हों के टैटू बनवाते हैं, जो उनकी बहादुरी को दर्शाते हैं। इनकी शादी की रस्में भी तीन चरणों में बंटी होती हैं। पहली रस्म सगाई के समय होती है, जहां हाथ में धागा बांधकर आशीर्वाद लिया जाता हैं। दूसरी रस्म के बाद जोड़ा साथ रहना शुरू करता है और तीसरी रस्म अक्सर तब होती है जब उनके घर पहले बच्चे की किलकारी गूंजती हैं।

बिहार का वो खास सांप, जिसके लिए 25 करोड़ रुपये तक दाम देने को तैयार हैं विदेशी

एक समय में बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में 'दो मुंहा सांप' काफी पाए जाते थें। रेड सैंड बोआ को उसके लुक की वजह से ये नाम मिला थां। इसका मुंह और पूंछ दोनों लगभग एक जैसे दिखते हैं। इस वजह से इसे दो मुंहा सांप कहा जाता हैं। लेकिन अब ये सांप विलुप्ति के कगार पर पहुंच गया हैं। इसकी वजह है इसकी तस्करीं। विदेशों में इसके लिए 25 करोड़ रुपये तक की डिमांड बताई जा रही हैं। लोग इसे काला जादू, तंत्र-मंत्र, धन-दौलत और सौभाग्य लाने वाला मानते हैं। इस अंधविश्वास के कारण इसकी तस्करी का धंधा तेजी से बढ़ा और अब ये लगभग गायब से हो गए हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों और वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 सालों में रेड सैंड बोआ की संख्या 90 प्रतिशत से ज्यादा घट चुकी हैं। यह सांप मुख्य रूप से बिहार, यूपी, झारखंड, राजस्थान और गुजरात के सूखे इलाकों में पाया जाता थां। अब यह इतना दुर्लभ हो गया है कि ज्यादातर इलाकों में देखना मुश्किल हैं। रेड सैंड बोआ जहरीला नहीं होतां। यह छोटा, मोटा और रेतीले इलाकों में रहने वाला सांप हैं। लेकिन इसके सिर और पूंछ के आकार लगभग एक जैसे होने से लोग इसे 'दो मुंहा' मानते हैं। तंत्र-मंत्र करने वाले और कुछ विदेशी कलेक्टर्स इसे 'दो मुंहा सांप' कहकर लाखों-करोड़ों में खरीदते हैं। थाईलैंड, चीन, मलेशिया और कुछ यूरोपीय देशों में इसकी डिमांड बहुत ज्यादा हैं। वन विभाग ने पिछले 5 सालों में कई बड़े तस्करी गिरोह पकड़े हैं। 2024 में बिहार से ही 200 से ज्यादा रेड सैंड बोआ जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 50-60 करोड़ रुपये थीं। हाल ही में गया जंक्शन पर भी तस्करों को इस सांप के साथ पकड़ा गया। तस्कर इसे सूटकेस में छिपाकर या छोटे-छोटे पैकेट में विदेश भेजते हैं। एक सांप की कीमत 10-25 लाख रुपये तक जाती है, लेकिन विदेश में 5-25 करोड़ तक पहुंच जाती हैं। IUCN ने इसे 'Near Threatened' श्रेणी में रखा हैं। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत यह अनुसूची-I में आता है, यानी इसके शिकार, बिक्री या रखने पर 3-7 साल की सजा और जुर्माना हो सकता हैं। लेकिन अंधविश्वास और काला जादू के नाम पर तस्करी थम नहीं रही हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि रेड सैंड बोआ इकोसिस्टम के लिए बहुत जरूरी हैं। यह छोटे कीटों और चूहों को खाता है, जिससे फसलें सुरक्षित रहती हैं। इसकी कमी से चूहों की संख्या बढ़ सकती हैं।

'गद्दार' टिप्पणी पर पंजाब की राजनीति में कोहराम

» भाजपाई बोले- सिख समाज का किया अपमान

» भाजपा ने कांग्रेस पर उठाए सवाल

राहुल का बयान सिख विरोधी मानसिकता को दर्शाता है: चुघ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। संसद भवन के बाहर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू के बीच हुई तीखी नोकझोंक के बाद पंजाब की राजनीति में कोहराम मच गया है। बिट्टू को 'मेरे गद्दार दोस्त' कहे जाने पर भाजपा ने राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया है। पंजाब भाजपा नेताओं ने इसे न सिर्फ निंदनीय बताया, बल्कि कांग्रेस को सिख विरोधी करार दिया है। रवनीत बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं, जिनकी आतंकवाद के दौर में मानव बम हमले में हत्या कर दी गई थी। बिट्टू तीन बार कांग्रेस से सांसद रह चुके हैं, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया था।

चुनाव हारने के बावजूद भाजपा ने उन्हें केंद्र में रेल राज्य मंत्री बनाया। भाजपा नेताओं का कहना है कि इसी राजनीतिक फैसले की कुंठा राहुल गांधी के बयान में दिखाई दी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि 1984 में कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार की नीतियों के कारण निर्दोष सिखों का कत्लेआम हुआ। उस समय सत्ता मौन रही और दोषियों को संरक्षण मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का बयान उसी सिख विरोधी मानसिकता को दोहराता है। चुघ ने कहा कि संसद के बाहर बिट्टू को गद्दार कहना न केवल सिख-पंजाबी समाज, बल्कि पूरे देश की अस्मिता का अपमान है। केंद्रीय रेल राज्यमंत्री रवनीत बिट्टू कभी राहुल गांधी के अच्छे दोस्त रहे हैं। बिट्टू पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते हैं, जिन्हें आतंकवादियों ने चंडीगढ़ सचिवालय परिसर में मानव बम से उड़ा दिया था। बिट्टू तीन बार कांग्रेस की टिकट पर सांसद रहे मगर साल 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए। पंजाब कांग्रेस के प्रधान व लुधियाना से सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा बिट्टू को कांग्रेस ने ही बनाया है। इनके दादा कांग्रेस के सीएम थे। वह आखिरी दम तक कांग्रेस में रहे, बीजेपी में नहीं गए। बिट्टू खुद कहते हैं कि राहुल गांधी ने उन्हें पगड़ी बांधना सिखाई है।

राहुल के अच्छे दोस्त रहे हैं बिट्टू

राहुल गांधी की भाषा निंदनीय और मर्यादाहीन: अश्वनी शर्मा

पंजाब भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने राहुल गांधी के बयान को कांग्रेस की दिवालिया मानसिकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भाषा निंदनीय और मर्यादाहीन है। पार्टी को कमजोर करने के लिए राहुल अकेले ही काफी हैं। इस तरह के बयान कांग्रेस की राजनीतिक हताशा को उजागर करते हैं।वहीं, भाजपा के मीडिया सचिव विनीत जोशी ने कहा कि राहुल गांधी अपने गैर-जिम्मेदार बयानों और गलत नीतियों से कांग्रेस को भीतर से खोखला कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस विकास और जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए लगातार व्यक्तिगत हमलों का सहारा ले रही है, जिसे देश की जनता अब भली-भांति समझ चुकी है।

असली कांग्रेस नहीं रही तो छोड़ दी : रवनीत बिट्टू

रवनीत बिट्टू ने कहा कि उन्होंने पार्टी इसलिए छोड़ी क्योंकि वह अब असली कांग्रेस नहीं रह गई थी। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि जब हम कांग्रेस में थे, तब हम पार्टी के लिए सीटें जीत रहे थे। हम कभी भी उन पर बोझ नहीं थे। फिर, जब यह स्पष्ट हो गया कि पार्टी परिवारवाद का मामला बन गई है और अब वह कांग्रेस पार्टी नहीं रही जो कभी थी, तो सभी लोग पार्टी छोड़ने लगे। अगर यह असली कांग्रेस होती, तो लोग बने रहते। मैंने कहा था कि अगर यह असली कांग्रेस होती, तो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद मेज पर चढ़कर सदन से निलंबित हो जाते।

लगातार छठी बार विश्वकप के फाइनल में पहुंचा भारत

» अंडर-19 विश्व कप: सेमीफाइनल में अफगान को सात विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरारे। भारत ने अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में चार विकेट पर 310 रन बनाए। जवाब में भारत के लिए आरोन ने शतक लगाया, जबकि वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने अर्धशतक लगाए जिससे टीम ने 41.1 ओवर में तीन विकेट पर 311 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। भारत ने इस तरह अंडर-19 विश्वकप का सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले ये रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम था जिन्होंने 2006 में आयरलैंड के खिलाफ 305 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

भारत ने इस तरह 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा और शान से खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। भारत विश्वकप के 16 सत्र में से 10 बार खिताबी मुकाबले में पहुंच चुका है जो सर्वाधिक है। भारत ने लगातार छठी बार फाइनल में जगह बनाई। टीम 2016, 2018, 2020, 2022, 2024 और 2026 में खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया। भारत ने रिकॉर्ड पांच बार इस टूर्नामेंट को जीता है और अब उसके पास छठी ट्रॉफी जीतने का मौका है। भारत का फाइनल में सामना इंग्लैंड से शुक्रवार को होगा। लक्ष्य का पीछा करते हुए वैभव और आरोन ने भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई। वैभव के आउट होने के बाद आरोन और कप्तान म्हात्रे के बीच दूसरे विकेट के लिए 114 रनों की साझेदारी हुई। इसके बाद विहान मल्होत्रा और वेदांत त्रिवेदी ने जीत की औपचारिकता को पूरा किया। इससे पहले, अफगानिस्तान की ओर से दो बल्लेबाजों ने शतक जड़े। इसके अलावा उस्मान सदत ने 39 रन और खालिद अहमदजई ने 31 रन की पारी खेली।

खिताबी सूखा खत्म करने उतरेगा दिल्ली कैपिटल्स

वडोदरा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच गुरुवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 सीजन का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी ने 2024 में इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम जीता था, जबकि लगातार चार बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली को अपने पहले खिताब की तलाश है। दिल्ली को लगातार तीन बार फाइनल मैच में हार मिली है। पूर्व चैंपियन आरसीबी ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है और मुश्किल परिस्थितियों में वापसी करने की अपनी क्षमता भी साबित की है। इसी जुझारूपन की बदौलत उसने लगातार पांच जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए इतिहास रचा। वह डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बन गई। इस सत्र में आरसीबी की किसी न किसी खिलाड़ी ने जरूरत के समय अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे उसे हराना किसी भी टीम के लिए चुनौती बन गई है। स्मृति मंधाना की अगुआई वाली आरसीबी दूसरा खिताब जीतकर मुंबई इंडियंस की बराबरी करना चाहेगी।

बाहर के मरीजों के साथ जारी है गोरखधंधा

» नेपाल से आए मरीज को एंबुलेंस चालक ने जबरन निजी हॉस्पिटल में छोड़ा

» एएस अस्पताल ने लाखों का बिल बनाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में निजी अस्पतालों और एंबुलेंस चालकों की मिलीभगत से मरीजों के शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। नेपाल से अपने भाई का इलाज कराने लखनऊ आई एक युवती ने आरोप लगाया है कि एंबुलेंस चालक ने जबरदस्ती उनके घायल भाई को सरकारी अस्पताल ले जाने के बजाय एएस हॉस्पिटल मेडिसिटी में भर्ती करा दिया, जहां इलाज के नाम पर लाखों रुपये वसूले जा रहे हैं।

पीड़ित बहन माया के अनुसार, उनका भाई 14 जनवरी को पैर टूटने के बाद इलाज के लिए लोहिया अस्पताल लाया गया था, लेकिन एंबुलेंस चालक, जो कथित तौर पर एएस हॉस्पिटल के लिए दलाली करता है, उन्हें जबरन एएस हॉस्पिटल में उतारकर चला गया। मजबूरी में उन्होंने वहीं इलाज शुरू कराया, क्योंकि उन्हें शहर और भाषा की पूरी जानकारी नहीं थी। पीड़िता का आरोप है कि एएस हॉस्पिटल ने अब तक इलाज के नाम पर 9 लाख रुपये का बिल बना दिया, जिसमें से 6 लाख रुपये पहले ही वसूल लिए गए। इसके बाद मरीज को अचानक अस्पताल की दूसरी शाखा, खुर्दई बाजार स्थित हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया और बाकी 3 लाख रुपये देने का दबाव बनाया जा रहा है। पीड़ित परिवार का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने इलाज और बिल को लेकर विरोध किया, तो अस्पताल कर्मचारियों ने उन्हें धमकाया और दबाव बनाकर एक पत्र लिखवाया, जिसमें अस्पताल के इलाज को संतोषजनक बताया गया।

सरकारी अस्पतालों के बाहर निजी अस्पतालों के दलाल सक्रिय

मेडिकल कॉलेज ट्रॉमा सेंटर, लोहिया अस्पताल और अन्य सरकारी अस्पतालों के बाहर निजी अस्पतालों के दलाल सक्रि य रहते हैं, जो बाहरी राज्यों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में भर्ती करा देते हैं। बताया जा रहा है कि एएस हॉस्पिटल और उसके संचालक आलोक सिंह का नाम पहले भी विवादों में आ चुका है और उनके खिलाफ पूर्व में मुकदमे दर्ज होने की बात भी सामने आई है। लोहिया अस्पताल के बाहर उनकी दबंगई का वीडियो भी पहले वायरल हो चुका है।

भाजपा को अपने कार्यों पर घमंड है तो मतपत्र से चुनाव कराएं : राव नरेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि अगर भाजपा को अपने कार्यों पर घमंड है तो मतपत्र से चुनाव कराएं। वह दिन दूर नहीं जब पार्टियां चुनाव का बहिष्कार शुरू कर देंगी। अगर निष्पक्ष चुनाव नहीं होंगे तो क्या फायदा होगा। देश में गृहयुद्ध हो जाएगा। दूसरे देशों की तरह से लोग सड़कों पर आ जाएंगे। कांग्रेस के समय भी ईवीएम थी लेकिन कभी किसी को शक नहीं था।

अगर कांग्रेस गड़बड़ी करती तो भाजपा कभी सत्ता में नहीं आ पाती। किस तरह से वोट चोरी की गई उसका साफ उदाहरण हमारे सामने हैं। निश्चित तौर पर हरियाणा के चुनाव में गड़बड़ी हुई है। नरेंद्र ने कहा कि एक साजिश के तहत मनरेगा को खत्म किया जा रहा। गरीबों को रोजगार की गारंटी को छीना जा रहा है।

रेवंत को शासन करना नहीं आता बस जहर उगलते हैं : केटी रामाराव

» बीआरएस ने कांग्रेस सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने के लिए जमकर हमला बोला और कहा कि रेड्डी की जगह गटर में है। एक्स पर एक पोस्ट में केटी रामाराव ने कहा कि उनके (रेवंत रेड्डी) मुंह से सिर्फ अपशब्द निकलते हैं। आप हार्वर्ड में 500 दिन का कोर्स कर सकते हैं, लेकिन अगर आप संस्कृति नहीं सीखते हैं, तो आपकी पूंछ कुत्ते की तरह टेढ़ी ही रहेगी।

केसीआर ने तेलंगाना के लिए काम किया, आंदोलनों का नेतृत्व किया, राज्य का दर्जा हासिल किया और पहले मुख्यमंत्री बने, जिससे एक स्वर्णिम तेलंगाना का मार्ग प्रशस्त हुआ। केटीआर ने आगे कहा कि उनके बारे में गंदे शब्द बोलने वालों की जगह गटर में है। जो शासन नहीं कर सकता, वह चुनाव प्रचार के दौरान जहर उगलता है। यह अहंकार और पूर्ण अक्षमता का संकेत है। आप शब्दों से इतिहास रचने वाले को नीचा नहीं दिखा सकते।

रूस और अमेरिका परमाणु डील कैंसिल, ईरान अमेरिका वार्ता ध्वस्त, बस जंग एलान होना बाकी

अमेरिका के साथ परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता समाप्त, रूस ने दिए अगले कदम खुद तय करने के संकेत

» यूएन प्रमुख ने 'न्यू स्टार्ट' संधि के खत्म होने को अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा के लिए गंभीर क्षण बताया

» अमेरिका, यूरोप और एशिया के कई विकसित देशों में अत्याधुनिक अंडरग्राउंड बंकर कालोनियों का युद्ध स्तर पर निर्माण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ईरान–अमेरिका क्राइसस के बीच रूस ने अमेरिका के साथ हुए परमाणू हथियार नियंत्रण संधि से खुद को अलग कर पूरी दुनिया को चौका दिया है। दुनिया एक बार फिर उसी मोड़ पर वापस आगर खड़ी होती दिखाई दे रही है जहां से लौटने का रास्ता इतिहास में अक्सर मलबे लाशों और रेडिएशन से होकर गया है।

रूस और अमेरिका के बीच न्यू स्टार्ट परमाणु हथियार नियंत्रण समझौते का अंत अब सिर्फ कूटनीतिक खबर नहीं रही बल्कि यह वैश्विक अस्थिरता का अलार्म बन चुकी है। मॉस्को से आया ताज़ा बयान बताता है कि अब हालात उस बिंदु पर पहुंच गए हैं जहां नियम शर्तें और आपसी प्रतिबद्धताएं इतिहास के पन्नों में दफन की जा रही हैं।

न्यू स्टार्ट समझौता रूस ने किया दफन

रूस के विदेश मंत्रालय ने साफ कर दिया है कि न्यू स्टार्ट से जुड़ी सभी सीमाएं अब व्यवहार में नहीं रहीं। मंत्रालय का कहना है कि समझौते की अवधि समाप्त होने के बाद दोनों देश इसके नियमों को मानने के लिए बाध्य नहीं हैं। यह वही समझौता था जो दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु ताकतों के हथियारों पर आखिरी लगाम था। अब वह लगाम टूट चुकी है और घोड़ा बेकाबू है। हालात को और भयावह बनाता है यह तथ्य कि परमाणु हथियारों की तैनाती पर निगरानी और पारदर्शिता की व्यवस्था भी खत्म हो चुकी है। रूस ने यह भी संकेत दिया है कि यदि उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को किसी नए खतरे का सामना करना पड़ा तो वह कठोर सैन्य और तकनीकी कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। यह बयान अपने आप में एक चेतावनी है।

बंकर अमीरों के लिए बनते हैं और कब्रें गरीबों के लिए

यह तैयारी अपने आप में एक सवाल है। क्या दुनिया के शासक वर्ग को युद्ध का यकीन है? अगर नहीं तो फिर अरबों डॉलर खर्च कर ज़मीन के नीचे शहर क्यों बसाए जा रहे हैं? और अगर हां तो यह युद्ध किसके लिए है और किसके खिलाफ इतिहास गवाह है कि जब भी युद्ध आता है बंकर अमीरों के लिए बनते हैं और कब्रें गरीबों के लिए। यह पूरी प्रक्रिया लोकतंत्र के उस दावे को भी कटघरे में खड़ा करती है जो कहता है कि युद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए लड़े जाते हैं। अगर सुरक्षा सच में सामूहिक होती तो तैयारी भी सामूहिक होती। लेकिन यहां तैयारी चयनित है वर्गीय है और चुपचाप है। जनता को युद्ध का डर नहीं दिखाया जा रहा बल्कि उसे युद्ध के लिए मानसिक रूप से सुन्न किया जा रहा है।

बिना धमकी दिए दी गई धमकी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही संकेत दे चुके थे कि यदि अमेरिका ऐसे कदम उठाता है जिससे रणनीतिक संतुलन बिगड़ता है तो रूस इस समझौते के मूल प्रावधानों का पालन नहीं करेगा। अब वही चेतावनी हकीकत में बदलती दिख रही है। उधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में कहा था कि उन्हें इस समझौते के खत्म होने की ज्यादा चिंता नहीं है और वे किसी नए करार की उम्मीद करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब भरोसे की नींव ही ढह चुकी हो तो नई इमारत कैसे खड़ी होगी? इस पूरी तस्वीर को और डरावना बनाता है ईरान-अमेरिका के बीच टूटी वार्ता। पश्चिम एशिया पहले ही बारूद के ढेर पर बैठा है और अब जब कूटनीति वहां भी दम तोड़ती दिख रही है तो दुनिया एक साथ कई मोर्चों पर युद्ध की आहट सुन रही है।

आखिरी बड़ा समझौता था

गौरतलब है कि न्यू स्टार्ट अब रूस और अमेरिका के बीच हथियार नियंत्रण से जुड़ा आखिरी बड़ा समझौता था। इससे पहले अमेरिका 2019 में इंटरमीडिएट-रेंज न्यूक्लियर फोर्सेज ट्रीटी से बाहर निकल चुका है। यानी शीत युद्ध के बाद बनी सुरक्षा की पूरी संरचना एक-एक कर ढह चुकी है। आज हालात यह हैं कि दुनिया के पास न तो भरोसे का तंत्र बचा है न नियंत्रण का ढांचा। केवल बयान हैं चेतावनियां हैं और परमाणु बटन के पास बैठे हाथ।

महासचिव ने चेतावनी दी

महासचिव ने चेतावनी दी कि हथियार नियंत्रण तंत्र का इस तरह बिखरना रणनीतिक अस्थिरता को जन्म देगा, जिससे गलत आकलन, दुर्घटनाओं और टकराव की आशंका कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने साफ कहा कि परमाणु हथियारों की मौजूदगी अपने आप में खतरा है और जब उन पर निगरानी पारदर्शिता और संवाद खत्म हो जाए, तो वह खतरा वैश्विक संकट में बदल सकता है।

बंकर कालोनियों की बाढ़

इन खबरों के बीच अहम खबर यह है कि अमेरिका, यूरोप और एशिया के कई विकसित देशों में बंकर कालोनियों की बाढ़ सी आ गयी है। अत्याधुनिक अंडरग्राउंड बंकर कॉलोनियों का निर्माण युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। यह बंकर महज कंक्रीट के तहखाने नहीं हैं बल्कि जमीन के भीतर बसाई जा रही वैकल्पिक सभ्यताएं हैं। इन बंकरों में जिम हैं, स्विमिंग पूल हैं, अस्पताल हैं, स्कूल हैं, क्लब और बार हैं। यानी वह सब कुछ जो ऊपर की दुनिया में सामान्य जीवन कहलाता है। फर्क सिर्फ इतना है कि यह जीवन अब सूरज की रोशनी से दूर मोटी दीवारों और लोहे के दरवाज़ों के पीछे सोया जा रहा है। इन बंकर कॉलोनियों को सर्वाइवल हब कहा जा रहा है। ऐसी जगहें जहां महीनों सालों तक बाहर की दुनिया से कटकर जिया जा सके। ऑक्सीजन फिल्टर, फूड स्टोरेज, मेडिकल यूनिट, मनोरंजन के साधन सब कुछ। संदेश साफ है ऊपर अगर सब कुछ राख हो जाए तब भी नीचे जिंदगी चलती रहनी चाहिए। लेकिन सवाल यह नहीं है कि बंकरों में क्या-क्या है सवाल यह है कि बंकरों में कौन-कौन होगा?

लोकसभा की कार्यवाही पर राज्यसभा में चर्चा पर बवाल

कांग्रेस अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा में तीखी बहस

» संसद में सातवें दिन भी हंगामा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में सातवें दिन भी हंगामा जारी है। गुरुवार को राज्यसभा में उस समय गरमागरम माहौल देखने को मिला जब विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा संसदीय प्रक्रि या को लेकर एक-दूसरे से तीखी बहस में उलझ गए। यह घटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा भाषण के बाधित होने के एक दिन बाद हुई। दोनों नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक तब शुरू हुई जब खरगे ने संसद में राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बोलने पर लगाए जा रहे प्रतिबंधों पर आपत्ति जताई।

लोकसभा में हुई बाधा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि निचले सदन में कांग्रेस नेता और विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर बोलने की अनुमति नहीं दी गई, जिस पर नड्डा ने तीखी प्रतिक्रि या दी। खरगे ने पूछा कि संसद का अर्थ लोकसभा और राज्यसभा दोनों है। लोकसभा में विपक्ष के नेता देश के हितों पर बोलना चाहते थे, लेकिन उन्हें बोलने नहीं दिया गया। इस तरह सदन कैसे चलाया जा सकता है?

सरकार किसी भी विषय पर चर्चा करने के लिए हमेशा तत्पर : नड्डा

राज्यसभा में सदन के नेता नड्डा ने कड़ा जवाब देते हुए इस आरोप को खारिज कर दिया और सदन को संसदीय परंपराओं की याद दिलाई। लोकसभा में राहुल गांधी को बोलने न देने का मुद्दा उठाने पर नड्डा ने राज्यसभा में कहा कि लोकसभा की कार्यवाही पर राज्यसभा में चर्चा नहीं की जा सकती, मेरे सम्मानित सहकर्मी को यह बात पता होनी चाहिए। नड्डा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार किसी भी विषय पर चर्चा करने के लिए हमेशा तत्पर है। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा में किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए हमेशा तैयार हैं, लेकिन विपक्ष सदन की कार्यवाही को आगे नहीं बढ़ने दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष के अनुरोध पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौतों पर बयान दिया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किया हस्तक्षेप

बहस तेज होते देख वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हस्तक्षेप करते हुए मांग की कि खरगे द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द लिंच रिकॉर्ड से हटा दिया जाए। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी इस मामले में दखल देते हुए बजट सत्र के दौरान बार-बार हो रही बाधाओं के बीच सदन के नियमों और परंपराओं का पालन करने का आग्रह किया। रिजिजू ने कहा कि आज सभी सांसद नियमों और परंपराओं के पालन की उम्मीद कर रहे हैं। सभी राज्यसभा में प्रधानमंत्री का भाषण सुनने का इंतजार कर रहे हैं। अगर कांग्रेस प्रधानमंत्री का भाषण नहीं सुनना चाहती, तो यह उसकी मर्जी है, लेकिन अन्य सदस्य सुनना चाहते हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सदन के नियमों का पालन नहीं किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार दंपती समेत तीन की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखीमपुर खीरी के गोला क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर जलालपुर मोड़ के पास गोला से लखीमपुर की ओर जा रही कार को किसी वाहन ने टक्कर मारी दी। जिससे कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। तीन लोग घायल हुए हैं। इनमें एक व्यक्ति की हालत नाजुक है।

हादसा बृहस्पतिवार तड़के करीब छह बजे हुआ। राहगीर शुभम रस्तोगी ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को सीएचसी गोला भेजा गया। जहां से एक व्यक्ति की हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया।

फिर से हो बिहार चुनाव, सुप्रीम कोर्ट पहुंची सुराज पार्टी

» प्रशांत किशोर बोले- आचार संहिता लागू होने के दौरान बांटे गए 10 हजार रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनाव को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने गुरुवार (5 फरवरी, 2026) को याचिका दाखिल की, जिसमें खासतौर पर बिहार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना को चुनौती दी गई है।

उनका कहना है कि सरकार ने आचार संहिता लागू होने के दौरान न सिर्फ 25-35 लाख महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये ट्रांसफर किए, बल्कि नए लाभार्थियों को भी स्कीम में जोड़ा और यह तरीका गैरकानूनी है। उन्होंने कोर्ट से गुजारिश की है कि वह चुनाव आयोग को चुनाव प्रभावित करने वाली मुफ्त और कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने के लिए सत्ताधारी पार्टी के लिए छह महीनों की समयसीमा निर्धारित करने का निर्देश दे। बिहार चुनाव में अवैध प्रक्रियाओं का आरोप लगाते हुए जनसुराज ने रिट याचिका फाइल की है।

वीबीजी रामजी पर कर्नाटक विस में संग्राम

कांग्रेस सरकार ने पारित किया प्रस्ताव, भाजपा व जेडीएस ने बताया अवैध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने को केंद्र सरकार के एमजीएनआरईजीए को निरस्त करने और उसके स्थान पर वीबी-जी राम जी अधिनियम लागू करने के फैसले का विरोध करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी और जनता दल (एस) के सदस्यों ने विधानसभा और विधानसभा परिषद से वॉकआउट किया।

यह प्रस्ताव 75 सदस्यीय उच्च सदन में पारित हुआ, जहां विपक्ष का एक भी सदस्य उपस्थित नहीं था क्योंकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर कार्यवाही का बहिष्कार किया था और सदन से बाहर चले गए थे। कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल, ग्रामीण विकास और जनसंपर्क एवं सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे और के. शिव कुमार जैसे सदस्यों ने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक राज्यों पर 40प्रतिशत का बोझ डालकर, रोजगार गारंटी को सीमित करके और केंद्र को कार्यों के प्रकार, वित्तपोषण और कार्यान्वयन क्षेत्रों के निर्धारण में अधिक शक्तियां प्रदान करके संघवाद को कमजोर करता है।

लोकसभा में पीएम मोदी के भाषण के बिना ही धन्यवाद प्रस्ताव पास

बुधवार को पीएम मोदी को लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देना था, लेकिन हंगामे के कारण सदन स्थगित हो गया। लोकसभा में पीएम मोदी के भाषण के बिना ही धन्यवाद प्रस्ताव पास हो गया। सूत्रों के मुताबिक, यह अभूतपूर्व है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान प्रधानमंत्री ने लोकसभा में भाषण नहीं दिया. स्पष्ट जानकारी थी कि कांग्रेस की ओर से लोकसभा के भीतर प्रधानमंत्री पर शारीरिक हमला करने की योजना बनाई जा रही है। इसी कारण एहतियाती कदम के तौर पर महिला सांसदों को उनके चारों ओर कवर के रूप में भेजा गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।